समाज सुधार एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र

(Centre for Social Reform and Extension Activities)

पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर सामाजिक कल्याण के कार्यों में निरन्तर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विश्वविद्यालय समाज का एक महत्वपूर्ण अंग होने के नाते अपने सामाजिक दायित्व का भलीभांति निर्वहन करता है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के अंतर्गत विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के आसपास के सामाजिक वातावरण से अवगत कराया जाता है ताकि विद्यार्थी एक जिम्मेदार नागरिक की भांति समाज के कल्याण में अपना बेहतर योगदान दे सकें।

प्रत्येक शैक्षणिक संस्था का यह उत्तरदायित्व होता है कि वह स्थानीय स्तर पर सामुदायिक गतिविधियां आयोजित कर समुदाय एवं समाज के विकास में अपना योगदान दे, इस हेतु इस विश्वविद्यालय द्वारा भी अपने आस-पास के क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों एवं गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से स्थानीय स्तर पर योजनाबद्ध तरीके से विभिन्न समाज सुधार कार्यक्रमों एवं गतिविधियों विशेषत: युवाओं, महिलाओं और कमजोर वर्ग के उत्थान को केंद्रित कर उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य, सामुदायिक जीवन को बेहतर बनाने में विश्वविद्यालय निरंतर संग्लन है। विश्वविद्यालय स्तर पर ऐसे केंद्र (Centre for Social Reform and Extension Activities) की स्थापना विश्वविद्यालय द्वारा किये जाने वाले सामाजिक कार्यों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

विजन (Vision)

"आत्मनिर्भर, स्वस्थ, शिक्षित, सामुदायिक और सामाजिक मुद्दों एवं पर्यावरण के प्रति संवेदनशील समाज की कल्पना को पूरा करने में पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ को अग्रणी रखना।"

लक्ष्य एवं मिशन (Goals and Mission)

विश्वविद्यालय द्वारा स्थानीय स्तर पर सामाजिक उत्तरदायित्व में अपनी भूमिका एवं सहभागिता को सुनिश्चित कर विश्वविद्यालय तथा स्थानीय समुदाय के बीच समन्वय स्थापित करना एवं विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर पर सामाजिक समस्याओं एवं मुद्दों के प्रति संवेदनशील बनाना।

उद्देश्य (Aims)

1- समाजिक न्याय को प्राप्त करने में योगदान करना।

2- समाज के लोगों में आत्म सम्मान की भावना को बल देना।

3- सामुदायिक जीवन के लिए प्रेरित करना।

4- लोगों को उनकी समस्याओं और उनके पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाना।

कार्य (Functions)

1. विश्वविद्यालय द्वारा आसपास के गांवों को गोद लिया जाना।
2. गोद लिए हुए गांवों में शिक्षा स्वास्थ्य सम्बंधी जागरूकता कैम्प लगाना।
3. विद्यार्थियों के मध्य सामाजिक मुद्दों पर चर्चा-परिचर्चा कराना।
4. विश्वविद्यालय द्वारा युवाओं महिलाएं और कमजोर वर्ग से सम्बन्धित संगोष्ठी कार्यशाला का आयोजन कराना।

संगठन (Organization)

1. समन्वयकः .....(माननीय कुलपति जी द्वारा नामित)
2. सदस्यः दो .....((माननीय कुलपति जी द्वारा नामित)